लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 05 July 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

डुअल डिग्री के लिए लविवि से हासिल करने होंगे 70% क्रेडिट

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की पढ़ाई के साथ विदेशी संस्थान की डिग्री हासिल करने के लिए विद्यार्थियों को 70 फीसदी क्रेडिट यूनिवर्सिटी से ही हासिल करने होंगे। लविवि प्रशासन ने मंगलवार को डुअल डिग्री प्रोग्राम (युगल उपाधि कार्यक्रम) के दिशा-निर्देश जारी कर दिए। इसमें विद्यार्थियों को कुछ समय लविवि और बाकी विदेशी संस्थान से पढ़ने का मौका मिलेगा। तय क्रेडिट हासिल करने पर लविवि के साथ विदेशी संस्थान की डिग्री भी हासिल हो जाएगी।

लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि विद्यार्थियों को विदेशी संस्थानों में पढ़ाई का मौका देने के लिए एमओयू किए गए हैं। इसके अनुसार विदेशी संस्थानों के विद्यार्थी लखनऊ विश्वविद्यालय आएंगे और यहां के छात्र विदेश जाकर पढ़ाई कर सकेंगे। दोनों संस्थानों में हासिल किए गए क्रेडिट को जोड़कर विद्यार्थी की डिग्री तैयार होगी। शर्त होगी कि लविवि का विद्यार्थी विदेश से अधिकतम 30 फीसदी क्रेडिट ही हासिल कर सकेगा। डिग्री के साथ ही दोनों संस्थान ट्रांसक्रिप्ट तैयार करके देंगे। इसमें उस अवधि में विद्यार्थी की ओर से पढ़े गए टॉपिक का ब्योरा दिया जाएगा। डुअल डिग्री प्रोग्राम की फीस दाखिले के समय ही तय हो जाएगी। इसमें विदेशी संस्थान का शुल्क भी शामिल होगा। जो छात्र युगल उपाधि कार्यक्रम पूरा नहीं कर पाते हैं, उन्हें लविवि की ओर से प्राप्त किए गए क्रेडिट को आगामी अकादमिक सत्र के दौरान इस्तेमाल करने की अनुमति होगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय विदेशी संस्थान के साथ मिलकर शुरू करेगा डुअल डिग्री प्रोग्राम, दिशा-निर्देश जारी

बनाई गई पांच सदस्यीय समिति

डुअल डिग्री प्रोग्राम के लिए लविवि में पांच सदस्यीय समिति बनाई गई है। इसमें प्रो. पूनम टंडन- डीन अकेडमिक्स, प्रो. आरपी. सिंह- अंतरराष्ट्रीय छात्र सलाहकार, प्रो. मसूद सिद्दीकी-अध्यक्ष सांख्यिकी विज्ञान विभाग, डॉ. सीमा मिश्रा- रसायन विज्ञान विभाग और सदस्य सचिव के रूप में रजिस्ट्रार शामिल हैं। इन सदस्यों ने मुद्दे पर चर्चा के बाद संयुक्त स्नातक कार्यक्रम के लिए दिशा-निर्देश तैयार किए हैं।

गोयल ग्रुप का स्थापना दिवस मनाया

लखनऊ (वि)। गोयल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस का 16वां स्थापना दिवस मंगलवार को मनाया गया। मुख्य अतिथि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कुलपतियों से अपील की कि यदि भारत को विश्वगुरु बनाना है तो कैंपस तक सीमित न रहकर गांवों तक जाना होगा। उन्होंने कहा कि हमें शिक्षा में परिवर्तन करना होगा और बच्चों को छठी कक्षा से जानकारी देनी होगी। इंटर तक पहुंचते-पहुंचते अध्यापक बच्चों को उसकी रुचि के हिसाब से तैयार कर सकेंगे।

बीए एनईपी पहले सेमेस्टर का परिणाम घोषित

लखनऊ। लविवि ने सोमवार देर रात बीए प्रथम सेमेस्टर (एनईपी) का रिजल्ट जारी कर दिया। हरदोई, लखीमपुर, रायबरेली, लखनऊ व सीतापुर के संबद्ध महाविद्यालयों के अभ्यर्थी वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर इसे देख सकते हैं। समस्या आने पर परीक्षा विभाग में संपर्क कर सकते हैं। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 6

पीजी विषम सेमेस्टर के नतीजे 10 तक

एलयू

लखनऊ, संवाददाता। एलयू में विषम सेमेस्टर दिसंबर 2022 परीक्षाओं के तहत परास्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों के नतीजे 10 जुलाई तक जारी किए जा सकते हैं। पीजी पाठ्यक्रमों के सम सेमेस्टर की परीक्षाएं भी 25 जुलाई से शुरू करने की तैयारी है।

एलयू में स्नातक व परास्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों के परिणाम जारी किए जा रहे हैं। विषम सेमेस्टर दिसंबर 2022 परीक्षाओं के तहत अब तक बीए प्रथम सेमेस्टर, एमबीए, बीटेक सहित कई विषयों के रिजल्ट जारी कर दिए। सबसे चुनौतीपूर्ण रिजल्ट बीए प्रथम सेमेस्टर का था जिसमें 70 हजार से अधिक छात्र थे।

अब विदेशी विवि में भी पढ़ाई कर सकेंगे छात्र

एलयू के विद्यार्थी अब उन विदेशी विश्वविद्यालयों और संस्थानों में पढ़ाई कर सकेंगे जिनके साथ एमओयू साइन होगा। इसे युगल उपाधि कार्यक्रम कहा जाएगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के मुताबिक भारतीय उच्च शिक्षा आयोग (यूजीसी) के नियमों के अनुसार, भारतीय और विदेशी उच्च शिक्षा संस्थान निश्चित मानदंडों को पूरा करते हैं तो वे युगल उपाधि कार्यक्रम प्रदान कर सकते हैं। इसके लिए भारतीय संस्थानों के पास नैक ए ग्रेड या टाइम्स हायर एजुकेशन या क्यूएस विवि रैंकिंग के शीर्ष 1000 में होना चाहिए। यूनिवर्सिटी श्रेणी में एनआईआरएफ के शीर्ष 100 में रैंक में होना चाहिए। अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. पूनम टंडन का कहना है कि प्रस्तावित युगल उपाधि कार्यक्रम में एक सहयोगात्मक व्यवस्था होगी।

आवेदन के आखिरी दिन पेमेंट करने में आई परेशानी

एलयू में स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों के लिए मंगलवार को आवेदन करने का अंतिम दिन था। इस लिहाज से अभ्यर्थी लगातार ऑनलाइन आवेदन व शुल्क जमा करने में जुटे थे। इस बीच कई छात्रों को आवेदन शुल्क जमा करने में परेशानी हुई। छात्रों ने बताया कि एलयू की ऑफिशियल वेबसाइट से फॉर्म भरने और पेमेंट करने में बार-बार एरर दिखा रहा था।

विवि और कॉलेजों में ड्रेस, प्रार्थना जरूरी: राज्यपाल

स्थापना दिवस

■ 16वां स्थापना दिवस मनाया गोयल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ने

लखनऊ, संवाददाता। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में ड्रेस और प्रार्थना जरूर होनी चाहिए। यदि भारत को विश्व गुरु बनाना है तो कुलपतियों व छात्रों को संकल्प लेना होगा कि वे महज कैम्पस तक सीमित न रहकर गांवों तक जाएं।

गोयल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के 16वें स्थापना दिवस समारोह की मुख्य अतिथि राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि हमें शिक्षा में परिवर्तन करना होगा। छठवीं कक्षा से बच्चों को उद्योगों व रोजगारपरक शिक्षा की जानकारी देनी होगी। जिससे इन्टर तक पहुंचते-पहुंचते अध्यापक बच्चे की रुचि के अनुसार उसे तैयार कर सकेंगे। राज्यपाल ने कहा कि कुलपतियों को कैम्पस से छात्रों को बाहर निकालकर गांव से परिचित कराना होगा। नैक ग्रेडिंग पर ध्यान देना होगा।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि वर्ष 2017 से पहले कालेजों और विश्वविद्यालयों में नैक ग्रेडिंग की कोई रुचि ही नहीं थी। राज्यपाल के प्रयास से ग्रेडिंग के कारण उच्च शिक्षा में काफी सुधार आया है। स्व. रामजी लाल अग्रवाल की प्रतिमा का अनावरण व पौधरोपण कर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को किट बांटी।

गोयल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के 16वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक रहे।

NBT PAGE 6

नैक ग्रेडिंग से बढ़ेगी उच्च शिक्षा की गुणवत्ताः राज्यपाल

■ **एनबीटी, बीबीडी :** गोयल ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशंस का 16वां स्थापना दिवस समारोह मंगलवार को मनाया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने रामजी लाल अग्रवाल की प्रतिमा का अनावरण किया और आंगनवाड़ी सदस्यों को किट भी बांटी।

उन्होंने कहा कि नैक ग्रेडिंग पर ध्यान देना होगा, तभी उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ेगी। वहीं, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि साल 2017 से पहले कालेजों और विश्वविद्यालयों में नैक ग्रेडिंग की कोई रुचि नहीं थी, लेकिन महामहिम के प्रयास से ग्रेडिंग के कारण उच्च शिक्षा में काफी सुधार आया है। इस दौरान एकेटीयू वीसी जेपी पाण्डेय, एलयू वीसी आलोक राय, गोयल समूह के अध्यक्ष महेश कुमार अग्रवाल, डॉ. आलोक जैन, डॉ. अनीता सहगल वसुंधरा भी मौजूद रहीं।

i-NEXT PAGE 4

स्टूडेंट्स को ट्विनिंग डिग्री भी देगी लखनऊ यूनिवर्सिटी

विद्यार्थी पढ़ाई का एक हिस्सा विदेशी उच्च शिक्षण संस्थान में भी पूरा कर सकेगा

LUCKNOW (4 July) : लखनऊ यूनिवर्सिटी अब स्नातक पाठ्यक्रमों में युगल उपाधि की भी शुरुआत करेगा। इसके तहत यहां के छात्र-छात्राएं अपनी पढ़ाई का एक सेमेस्टर एलयू से एमओयू वाले विदेशी विश्वविद्यालय से कर सकेंगे। उसके क्रेडिट लखनऊ विश्वविद्यालय में स्थानांतरित होने के बाद उपाधि यहीं से जारी होगी. वहीं, विदेशी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी एलयू में आकर एक सेमेस्टर अथवा 30 प्रतिशत क्रेडिट प्राप्त कर सकेंगे. उन्हें डिग्री उनके विश्वविद्यालय से मिलेगी. इसके लिए एलयू तजाकिस्तान, तंजानिया, ब्राजील, स्पेन, स्विट्जरलैंड के विश्वविद्यालयों से समझौता पत्र पर हस्ताक्षर कर चुका है. जल्द ही संयुक्त स्नातक कार्यक्रमों की शुरुआत की जाएगी.

इंटरनेशनल स्टैंडर्ड

दरअसल, एलयू विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ युगल उपाधि कार्यक्रमों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों का विस्तार कर रहा है. यूजीसी के नियमों के अनुसार यदि भारतीय और विदेशी उच्च शिक्षा संस्थान निश्चित मानदंडों को पूरा करते हैं तो वे युगल उपाधि कार्यक्रम प्रदान कर सकते हैं. भारतीय संस्थानों को कम से कम नैक ए ग्रेड या टाइम्स हायर एजुकेशन अथवा क्यूएस विश्वविद्यालय रैंकिंग के शीर्ष 1000 में होना चाहिए. विदेशी संस्थानों को भी टाइम्स हायर एजुकेशन या क्यूएस विवि रैंकिंग के शीर्ष 1000 में होना चाहिए.

ये होगी गाइडलाइन

- स्टूडेंट्स को विदेशी उच्च शिक्षा संस्थान में जो अर्जित क्रेडिट मिलेगा, वह एलयू द्वारा प्रदान की जाने वाली डिग्री के लिए गिना जाएगा.
- विदेशी संस्थान से प्राप्त क्रेडिट पाठ्यक्रम के कुल निर्धारित क्रेडिट का 30 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए.
- एलयू और विदेशी दोनों संस्थान के छात्र-छात्राएं क्रेडिट प्राप्त कर सकेंगे.
- हर संस्थान अपने संबंधित कोर्सों के लिए प्रतिलेख (ट्रांसक्रिप्ट) जारी करेगा.
- एलयू सुनिश्चित करेगा कि विदेशी विवि से स्टूडेंट्स द्वारा प्राप्त की गई क्रेडिट कोर्स का पाठ्यक्रम में पुनरावृत्ति न हो.
- एडमिशन के टाइम पर पूरे कोर्स की फीस सार्वजनिक होगी.

इन्हें किया समिति में शामिल

संयुक्त स्नातक कार्यक्रमों की शुरुआत करने और उसकी गाइडलाइन के लिए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने समिति बनाई है, जिसमें डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन, अंतरराष्ट्रीय छात्र सलाहकार प्रो. आरपी सिंह, सांख्यिकी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. मसूद सिद्दीकी, रसायन विज्ञान विभाग की डा. सीमा मिश्रा और सदस्य सचिव के रूप में कुलसचिव विनोद कुमार सिंह शामिल हैं.

"युगल उपाधि कार्यक्रम हमारे विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय परिचय, उनके अकादमिक परिधियों का विस्तार और वैश्विक परिप्रेक्ष्य के विकास में सशक्त करेगा. छात्र-छात्राओं के लिए काफी बेहतर होगा.

प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, एलयू

JAGRAN CITY PAGE II, III

स्नातक पाठ्यक्रमों में अब युगल उपाधि भी देगा लवि

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय अब स्नातक पाठ्यक्रमों में युगल उपाधि की भी शुरुआत करेगा। इसके तहत यहां के छात्र-छात्राएं अपनी पढ़ाई का एक सेमेस्टर लवि से एमओयू वाले विदेशी विश्वविद्यालय से कर सकेंगे। उसके क्रेडिट लखनऊ विश्वविद्यालय में स्थानांतरित होने के बाद उपाधि यहीं से जारी होगी।

वहीं, विदेशी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी लवि में आकर एक सेमेस्टर अथवा 30 प्रतिशत क्रेडिट प्राप्त कर सकेंगे। उन्हें डिग्री उनके विश्वविद्यालय से मिलेगी। इसके लिए लवि तजाकिस्तान, तंजानिया, ब्राजील, स्पेन, स्विट्जरलैंड के विश्वविद्यालयों से समझौता पत्र पर हस्ताक्षर कर चुका है। जल्द ही संयुक्त स्नातक कार्यक्रमों की शुरुआत की जाएगी।

- पढ़ाई का एक हिस्सा विदेशी संस्थान में पूरा हो सकेगा
- तजाकिस्तान, तंजानिया, ब्राजील, के विश्वविद्यालयों से समझौता

युगल उपाधि कार्यक्रम हमारे विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय परिचय, उनके अकादमिक परिधियों का विस्तार और वैश्विक परिप्रेक्ष्य के विकास में सशक्त करेगा। छात्र-छात्राओं के लिए काफी बेहतर होगा।

प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लवि

भारतीय संस्थानों को कम से कम नैक ए ग्रेड या टाइम्स हायर एजुकेशन अथवा क्यूएस विश्वविद्यालय रैंकिंग के शीर्ष 1000 में होना चाहिए। विदेशी संस्थानों को भी टाइम्स हायर एजुकेशन या क्यूएस विश्वविद्यालय रैंकिंग के शीर्ष 1000 में होना चाहिए।

ये होगी गाइडलाइन

छात्र-छात्राओं को विदेशी उच्च शिक्षा संस्थान में जो अर्जित क्रेडिट मिलेगा, वह लवि द्वारा प्रदान की जाने वाली डिग्री के लिए गिना जाएगा। विदेशी संस्थान से प्राप्त क्रेडिट पाठ्यक्रम के कुल निर्धारित क्रेडिट का 30 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। लवि और विदेशी दोनों संस्थान के छात्र-छात्राएं क्रेडिट प्राप्त कर सकेंगे। हर संस्थान अपने संबंधित कोर्सों के लिए प्रतिलेख (ट्रांसक्रिप्ट) जारी करेगा। लवि सुनिश्चित करेगा कि विदेशी विश्वविद्यालय से विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त की गई क्रेडिट कोर्स का पाठ्यक्रम में पुनरावृत्ति न हो। प्रवेश के समय पूरे कोर्स की फीस सार्वजनिक होगी।

इन्हें किया समिति में शामिल : संयुक्त स्नातक कार्यक्रमों की शुरुआत करने और उसकी गाइडलाइन के लिए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने समिति बनाई है, जिसमें डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन, अंतरराष्ट्रीय छात्र सलाहकार प्रो. आरपी सिंह, सांख्यिकी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. मसूद सिद्दीकी, रसायन विज्ञान विभाग की डा. सीमा मिश्रा और सदस्य सचिव के रूप में कुलसचिव विनोद कुमार सिंह शामिल हैं।

PIONEER PAGE 3

विदेशी विवि के साथ मिलकर ड्यूल डिग्री प्रोग्राम शुरू करने की तैयारी में एलयू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नैक से ए डबल प्लस ग्रेड प्राप्त होने के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर ड्यूल डिग्री प्रोग्राम शुरू करने की तैयारी में है। इसके पीछे उद्देश्य विवि को ग्लोबल स्तर पर स्थापित करना है। इसके लिए हाल ही में विश्वविद्यालय ने कई प्रमुख विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। जिसके माध्यम से संयुक्त स्नातक कार्यक्रमों की शुरुआत की जाएगी और छात्रों के आपसी आदान-प्रदान को प्रोत्साहित किया जाएगा।

भारतीय उच्च शिक्षा आयोग द्वारा स्थापित नियमों के अनुसार, यदि भारतीय और विदेशी उच्च शिक्षा संस्थान निश्चित मानदंडों को पूरा करते हैं तो वे युगल उपाधि कार्यक्रम प्रदान कर सकते हैं। इसके तहत विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय द्वारा विदेशी उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच अकादमिक सहयोग के लिए दिशा.निर्देश तैयार करने के लिए एक समिति का गठन किया गया है। इस समिति में प्रो. पूनम टंडन, डीन अकेडमिक्स, प्रो. आरपी सिंह अंतरराष्ट्रीय छात्र सलाहकार, प्रो मसूद सिद्दीकी अध्यक्ष, सांख्यिकी विज्ञान विभाग, डॉ सीमा मिश्रा रसायन विज्ञान विभाग और सदस्य सचिव के रूप में रजिस्ट्रार शामिल हैं। विवि स्तर पर प्रस्तावित युगल उपाधि कार्यक्रम में एक सहयोगात्मक व्यवस्था होगी जिसके तहत लखनऊ विश्वविद्यालय में नामांकित छात्र अपने अध्ययन कार्यक्रम का एक हिस्सा विश्वविद्यालय में ही कर सकते हैं, जो यूजीसी नियमों का पालन करते हुए होगा और बाकी अंश को विदेशी उच्च शिक्षा संस्थान में करेंगे। इन संयुक्त स्नातक कार्यक्रमों के तहत प्रदान की जाने वाली डिग्री केवल लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाएगी।

ड्यूल डिग्री के लिए कुछ मुख्य प्रावधानः छात्रों द्वारा विदेशी उच्च शिक्षा संस्थान में अर्जित क्रेडिट को लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाने वाली डिग्री के लिए गिना जाएगा। हालांकि, विदेशी संस्थान से प्राप्त क्रेडिट पाठ्यक्रम के कुल निर्धारित क्रेडिट का 30 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र विदेशी संस्थान पर पढ़ाई करते हुए और विदेशी छात्र लखनऊ विश्वविद्यालय में पढ़ाई करते हुए क्रेडिट प्राप्त करेंगे। हर संस्थान अपने संबंधित कोर्सों के लिए ट्रांसक्रिप्ट जारी करेगा, जिसमें उपलब्ध होने पर सहयोगी संस्थान में लिए गए मॉड्यूल्स का उल्लेख होगा। लखनऊ विश्वविद्यालय सुनिश्चित करेगा कि विदेशी उच्च शिक्षा संस्थान से छात्रों के द्वारा प्राप्त की गई क्रेडिट् कोर्स का पाठ्यक्रम में ओवरलैप न हों। प्रवेश के समय पूरे कार्यक्रम की फीस विदेशी उच्च शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित कोर्स समेत सार्वजनिक बनाई जाएगी। इस तरह के युगल उपाधि कार्यक्रम के तहत प्राप्त डिग्री को विश्वविद्यालय के नियम और दिशा.निर्देशों का अनुपालन करना होगा, साथ ही यूजीसी और अन्य संबंधित विधिक प्राधिकारों द्वारा स्थापित नियमों, मानकों और आवश्यकताओं को पूरा करना होगा।

विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ संस्कार भी सिखाएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंगलवार को गोयल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन लखनऊ के सोलहवें स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने परिसर में पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल ने संस्थान के स्थापना दिवस की बधाई के साथ सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

अपने संबोधन में राज्यपाल ने विद्यार्थियों द्वारा समारोह में प्रस्तुत सरस्वती वंदना तथा अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना की। उन्होंने कहा कि वर्तमान शैक्षिक व्यवस्था में संस्कार की शिक्षा नही है। जबकि ये आवश्यक और जीवन का अभिन्न ज्ञान है, इसीलिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति.2020 में इसको भी सिलेबस का हिस्सा बनाया गया है। राज्यपाल ने शिक्षा को सहज और बोधगम्य बनाने की दृष्टि से पहली से लेकर पांचवीं कक्षा तक की शिक्षा को मातृभाषा में करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिशु मातृभाषा में सिखायी गयी चीजों को ग्रहण करता है, सीखता है। दूसरी भाषा में उसे ज्ञान देने पर रटाना पड़ता है। अपने सम्बोधन में राज्यपाल ने बच्चों को बचपन से ही शिक्षा के साथ.साथ हुनर सिखाने पर भी जोर दिया। उन्होंने शिक्षा को ज्ञान प्राप्ति का आधार बताते हुए कहा कि नकल करके पास होने की इच्छा भी हानिकारक है। नकल की प्रवृत्ति योग्यता के विकास में बाधक है। राज्यपाल ने सम्बोधन में शिक्षकों को शिक्षण और शिक्षा-संस्थान के प्रति प्रतिबद्धता से कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि शिक्षक निर्धारित शिक्षण समय के अतिरिक्त शिक्षण संस्थान को बेहतर बनाने में भी योगदान दें और अपने संस्थान को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उच्च रैंकिंग प्राप्त संस्थानों में गणनीय बनाने के लिए कार्य करें। समारोह को सम्बोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रदेश के आंगनवाड़ी केन्द्रों से विश्वविद्यालयों तक शैक्षणिक सुधार के लिए राज्यपाल की प्रतिबद्धता को अनुकरणीय बताया। उन्होंने इसी क्रम में राज्यपाल के अदम्य नेतृत्व में नैक में उच्चतम ग्रेड प्राप्त कर रहे प्रदेश के विश्वविद्यालयों की चर्चा भी की।

अनुज कुमार को मिली पीएचडी की उपाधि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

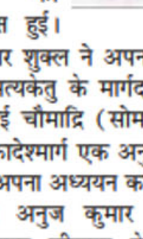

लखनऊ विश्वविद्यालय के ज्योतिर्विज्ञान विभाग में शोध कर रहें अनुज कुमार शुक्ल को पीएचडी की उपाधि प्राप्त हुई। अनुज कुमार शुक्ल ने अपना शोध कार्य डॉ सत्यकेतु के मार्गदर्शन में श्री पडुमनाई चौमाद्रि (सोमयाजी) कृत. जातकादेशमार्ग एक अनुशीलन विषय पर अपना अध्ययन कार्य पूर्ण किया है। अनुज कुमार शुक्ल मूलतः जनपद सीतापुर के ग्राम उल्जापुर के निवासी है किंतु आपका शैक्षिक अध्ययन लखनऊ में रहकर किया है। शुक्ल को ज्योतिष में बेहतर कार्य करने के लिये अखिल भारतीय प्राच्य ज्योतिष शोध संस्थान जयपुर की ज्योतिष गौरव सम्मान भी प्राप्त हो चुका है।

AMRIT VICHAR PAGE 4

विश्व गुरु बनना है तो निकलें कैंपस के बाहर : राज्यपाल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : आज शिक्षा के साथ संस्कार न मिलने का कारण यह है कि वेद-पुराण से जुड़ी ज्ञान की बातें, सिर्फ प्राइमरी तक पढ़ाई जाती हैं और बाद में हम अंग्रेजी माध्यम की पढ़ाई कराने लगते हैं, जो रटने जैसी होती है, जब कि मातृभाषा हिन्दी में समझ में आती है। हमारी नेशनल एजुकेशन पॉलिसी में साफ कहा गया है कि पढ़ाई हिन्दी या स्थानीय मातृभाषा में होनी चाहिए जो स्वयं समझ में आने वाली होगी। यदि विश्व गुरु बनना है तो कैंपस के बाहर भी निकलना होगा। ये बात राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कही।

कार्यक्रम में उपस्थित राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व अन्य। अमृत विचार

- **राज्यपाल ने प्रतिमा का अनावरण कर छात्रों को दिया संदेश**

आनंदी पटेल मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय व डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय से संबद्ध गोयल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के 16वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थी। उन्होने विश्वविद्यालय के कुलपतियों से अपील की कि यदि भारत को विश्व गुरु बनाना है, तो उन्हें संकल्प लेना होगा कि वे महज कैम्पस तक सीमित न रहकर गांवों तक जाएंगे और इन्टर कॉलेज के बच्चों को कैम्पस में बुलाकर उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करेंगे। इसके पूर्व प्रातः राज्यपाल ने गोयल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के स्थापना दिवस के मौके पर इं. महेश कुमार अग्रवाल (गोयल) के पिता स्वः रामजी लाल अग्रवाल की प्रतिमा का अनावरण गोयल इंस्टीट्यूशंस के प्रांगण में किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने पौधारोपण के साथ आंगनबाड़ी सदस्यों को किट का वितरण भी किया।

विदेशों में पढ़ाई की राह आसान कर रहा लविवि

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र अब विदेशों में भी पढ़ाई कर सकेंगे। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के मुताबिक भारतीय उच्च शिक्षा आयोग (यूजीसी) के नियमों के अनुसार, भारतीय और विदेशी उच्च शिक्षा संस्थान निश्चित मानदंडों को पूरा करते हैं तो वे युगल उपाधि कार्यक्रम प्रदान कर सकते हैं।

इसके लिए भारतीय संस्थानों के पास नैक ए ग्रेड या टाइम्स हायर एजुकेशन या क्यूएस विश्वविद्यालय रैंकिंग के शीर्ष 1000 में होना चाहिए। इसके अलावा यूनिवर्सिटी श्रेणी में एनआईआरएफ के शीर्ष 100 में रैंक में होना चाहिए। वहीं अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. पूनम टंडन का कहना है कि प्रस्तावित युगल उपाधि कार्यक्रम में एक सहयोगात्मक व्यवस्था होगी। एलयू के छात्र अध्ययन कार्यक्रम का एक हिस्सा विश्वविद्यालय में ही कर सकते हैं। बाकी अंश को विदेशी उच्च शिक्षा संस्थान में करेंगे। इन संयुक्त स्नातक कार्यक्रमों के तहत प्रदान की जाने वाली डिग्री एलयू की ओर से ही प्रदान की जाएगी।

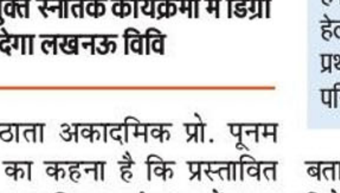

- **संयुक्त स्नातक कार्यक्रमों में डिग्री भी देगा लखनऊ विवि**

परिणाम जारी

लखनऊ विश्वविद्यालय व संयुक्त महाविद्यालय के चार विषय के विषम सेमेस्टर परिणाम जारी कर दिये गये हैं। इसमें बीए प्रथम सेमेस्टर, पब्लिक हेल्थ तृतीय सेमेस्टर, पब्लिक एंड हेल्थ प्रथम सेमेस्टर, ट्रेवेल एंड टूरिज्म का परिणाम जारी कर दिया गया है।

बता दें कि लखनऊ विश्वविद्यालय विदेशी उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में अपनी अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों का विस्तार कर रहा है। हाल ही में विश्वविद्यालय ने कई प्रमुख विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके माध्यम से संयुक्त स्नातक कार्यक्रमों की शुरुआत की जाएगी और छात्रों के आपसी आदान-प्रदान को प्रोत्साहित किया जाएगा।

समिति का हुआ गठन- कुलपति ने विदेशी उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच अकादमिक सहयोग के लिए दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए एक समिति का गठन किया गया है। इस समिति में प्रो. पूनम टंडन, डीन अकेडमिक्स, प्रो. आर.पी. सिंह, अंतरराष्ट्रीय छात्र सलाहकार, प्रो. मसूद सिद्दीकी, अध्यक्ष, सांख्यिकी विज्ञान विभाग, डॉ. सीमा मिश्रा, रसायन विज्ञान विभाग और सदस्य सचिव के रूप में रजिस्ट्रार शामिल हैं। इन सदस्यों ने इस मुद्दे पर चर्चा की और संयुक्त स्नातक कार्यक्रम के लिए दिशा-निर्देश तैयार किए हैं।

लविवि में आशा मालवीय को किया गया सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : ट्रैक और पर्वतारोहण में एक राष्ट्रीय एथलीट बन चुकी आशा मालवीय को मेजर जनरल विक्रम कुमार एडीजी यूपी निदेशक एनसीसी की ओर से सम्मानित किया गया।

आशा मालवीय 25000 किलोमीटर की एकल साइकिल यात्रा के मिशन पर हैं और उन्होंने 19000 किलोमीटर की दूरी तय की है और 22 राज्यों (उत्तर प्रदेश और 23 अन्य राज्यों सहित) से होकर गुजरी हैं। उनकी यात्रा 1 नवंबर 2022 को मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के साथ शुरू हुई। वह 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर अपनी यात्रा का समापन करेंगी। आशा मालवीय ने कमिश्नर कैम्प कार्यालय में संभागीय आयुक्त रोशन जैकब से भी मुलाकात की। वहीं मेजर जनरल विक्रम कुमार एडीजी ने कहा वह कुछ दिन पहले उत्तर प्रदेश पहुंची थीं। अपनी चल रही साइकिल यात्रा के दौरान आशा सभी राज्यों के राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों और मुख्य सचिवों से मिल चुकी हैं। उन्होंने जिन पहाड़ों को फतह किया है, उसके लिए उन्हें नेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी जगह मिल चुकी है। वहीं आशा मालवीय ने कैडेटों को अपनी जीवन यात्रा के बारे में बताया।

जीवन का आवश्यक और अभिन्न ज्ञान है संस्कार : राज्यपाल

कार्यक्रम में मौजूद राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ● जागरण

जासं, लखनऊ : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि वर्तमान शैक्षिक व्यवस्था में संस्कार की शिक्षा नहीं है, जबकि यह जीवन का आवश्यक व अभिन्न ज्ञान है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में इसको भी हिस्सा बनाया गया है। वह गोयल ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशन के 16 वें स्थापना दिवस समारोह में बोल रही थीं।

विशिष्ट अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय तथा एकेटीयू के कुलपति प्रो. जेपी पांडेय को निर्देशित किया कि इन समझौतों के दृष्टिगत विश्वविद्यालय में भी शैक्षणिक व्यवस्था का विस्तार किया जाए। राज्यपाल ने परिसर में स्थापित संस्थान के अध्यक्ष महेश कुमार अग्रवाल के पिता स्व. रामजी लाल अग्रवाल की प्रतिमा का अनावरण भी किया। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रदेश के आंगनबाड़ी केंद्रों से विश्वविद्यालय तक शैक्षणिक सुधार के लिए राज्यपाल की प्रतिबद्धता को अनुकरणीय बताया। राज्यपाल ने गोयल ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशन की तरफ से गोद लिए गए दस आंगनबाड़ी केंद्रों को सुसज्जित करने के लिए आंगनबाड़ी किट वितरित की।

लवि ने जारी किया परीक्षा कार्यक्रम

जासं, लखनऊ : लवि ने फैकल्टी आफ फाइन आर्ट्स के तहत संचालित बैचलर आफ विजुअल आर्ट (बीवीए) और बैचलर आफ फाइन आर्ट्स (बीएफए) आठवें सेमेस्टर का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया। परीक्षाएं 15 से 20 जुलाई तक होंगी।

28 को होगी सांख्यिकी की प्रयोगात्मक परीक्षा

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग ने बीए, बीएससी छठे सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षा की तिथि तय कर दी है। यह परीक्षा 28 जुलाई को सुबह 11 बजे से सांख्यिकी विभाग में आयोजित की जाएगी। विभागाध्यक्ष ने इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया है।

VoL PAGE 3

उद्घाटन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया रामजी लाल अग्रवाल की प्रतिमा का अनावरण

भारत को विश्व गुरु बनाने आगे आयें कुलपति व छात्र

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि आज संस्कार शिक्षा के साथ न मिलने का कारण ये है कि वेद-पुराण से जुड़ी ज्ञान की बातें, सिर्फ प्राइमरी तक पढ़ाई जाती हैं और बाद में हम अंग्रेजी माध्यम की पढ़ाई कराने लगते हैं, जो रटने जैसी होती है। जब कि मातृभाषा हिन्दी में समझ में आती है। हमारी नेशनल एजुकेशन पॉलिसी में साफ कहा गया है कि पढ़ाई हिन्दी या स्थानीय मातृभाषा में होनी चाहिए जो स्वयं समझ में आने वाली होगी।

ये बातें राज्यपाल ने मंगलवार को गोयल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस लखनऊ के 16वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त की। उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपतियों से अपील की, कि यदि भारत को विश्व गुरु बनाना है, तो उन्हें संकल्प लेना होगा कि वे महज कैम्पस तक सीमित न रहकर गांवों तक जाएंगे और इन्टर कालेज के बच्चों को कैम्पस में बुलाकर उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने कहा कि हमें शिक्षा में परिवर्तन करना होगा। छठी से बच्चों को उद्योगों की जानकारी देनी होगी, जिससे इंटर तक पहुंचते-पहुंचते अध्यापक बच्चे की रुचि के अनुसार उसे तैयार कर सकेंगे, अन्यथा बच्चे बिना रुचि का विषय ले लेते हैं और फेल हो जाते हैं। राज्यपाल ने आगे कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपतियों को कैम्पस से छात्रों को बाहर निकालकर गांव से परिचित कराना होगा, नैक ग्रेडिंग पर ध्यान देना होगा तभी उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ेगी। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के कुलपतियों से अपील करते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में ड्रेस और प्रार्थना जरूर होनी चाहिए। इसके पूर्व आज प्रातः राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल ने गोयल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के स्थापना दिवस के मौके पर ई. महेश कुमार अग्रवाल के पिता स्व. रामजी लाल अग्रवाल की प्रतिमा का अनावरण इंस्टीट्यूशंस के प्रांगण में किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने पौधारोपण के साथ आंगनबाड़ी सदस्यों को किट का वितरण भी किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार बृजेश पाठक ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले कालेजों और विश्वविद्यालयों में नैक ग्रेडिंग की कोई रुचि ही नहीं थी और आज राज्यपाल के प्रयास से ग्रेडिंग के कारण उच्च शिक्षा में काफी सुधार आया है। इतना ही नहीं आंगनबाड़ी केन्द्रों का विकास भी महामहिम के मार्गदर्शन में हो रहा है। इससे पूर्व एकेटीयू के कुलपति जेपी पाण्डेय और लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति आलोक राय ने राज्यपाल के मार्गदर्शन में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विकास और प्रगति के लिए आभार जताया। समारोह में समूह के अध्यक्ष महेश कुमार अग्रवाल ने कहा कि संस्थान के 16वें स्थापना दिवस पर अपने प्रांगण में अपने पिता स्व. रामजी लाल अग्रवाल की प्रतिमा का अनावरण होना अपने आप मे गौरव और ऐतिहासिक क्षण है।

लविवि अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियों को युगल उपाधि से कर रहा विस्तारित

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ युगल उपाधि कार्यक्रमों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों का विस्तार कर रहा है। इस विकास का मुख्य कारण विवि की प्रतिष्ठित नैक ए++ ग्रेड प्रमाणित होना है, जो वैश्विक सहयोग के लिए नये मार्गों को खोलता है और छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय परिचय और शैक्षिक विकास के लिए बेहतर मौके देता है।

भारतीय उच्च शिक्षा आयोग (यूजीसी) द्वारा स्थापित नियमों के अनुसार, यदि भारतीय और विदेशी उच्च शिक्षा संस्थान निश्चित मानदंडों को पूरा करते हैं तो वे युगल उपाधि कार्यक्रम देकर सकते हैं। भारतीय संस्थानों को कम से कम नैक ए ग्रेड या टाइम्स हायर एजुकेशन या क्यूएस विवि रैंकिंग के शीर्ष 1000 में, या यूनिवर्सिटी श्रेणी में एनआईआरएफ के शीर्ष 100 में रैंक में होना चाहिए। विदेशी संस्थानों को भी टाइम्स हायर एजुकेशन या क्यूएस विश्वविद्यालय रैंकिंग के शीर्ष 1000 में होना चाहिए।

लविवि विदेशी उच्चशिक्षा संस्थानों के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में अपनी अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियों का विस्तार कर रहा है। हाल ही में विवि ने कई प्रमुख विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ समझौता पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये हैं।

HT PAGE 3

Foundation day celebrations

LUCKNOW: Uttar Pradesh governor Anandiben Patel and deputy chief minister Brajesh Pathak attended the 16th foundation day celebrations of the Goyal Group of Institutions, in Lucknow on Tuesday. The governor, Anandiben Patel, planted a sapling and unveiled the statue of the late Ramji Lal Agarwal, father of Mahesh Kumar Agarwal, the president of the institute established on the campus. On the occasion, the Uttar Pradesh governor said that there is no education of culture in the present educational system, while this is essential and integral knowledge of life, that is why it has also been made a part of the syllabus in the National Education Policy-2020, which proposes the revision and revamping of all aspects of the education structure. In her address, the governor emphasised teaching skills to children along with

LOKSATYA PAGE 3

गायल इस्टाट्यूट न मना 16वा स्थापना ादवस

राज्यपाल ने किया रामजी लाल अग्रवाल की प्रतिमा का अनावरण

लखनऊ, लोकसत्य

गोयल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ने अपना 16वां स्थापना दिवस मनाया। मुख्य अतिथि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने गोयल ग्रुप के चेयरमैन इंजीनियर महेश कुमार अग्रवाल के पिता रामजी लाल अग्रवाल की प्रतिमा का अनावरण किया। पौधरोपण कर आंगनबाड़ी सदस्यों को किट भेंट की।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के कुलपतियों से अपील करते हुए कहा कि अगर भारत को विश्व गुरु बनाना है। तो उन्हें संकल्प लेना होगा कि महज कैंपस तक ही सीमित न रहें। वो गांवो, कस्बों तक जाकर इंटर कॉलेज को बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा- "छठी क्लास से ही बच्चों को उद्योगों की जानकारी देनी होगी। जिससे इंटर आते-आते टीचर बच्चों को उनकी रुचि के मुताबिक तैयार कर सकें। वरना काफी बच्चे बिना रुचि के सब्जेक्ट ले लेते हैं। जिससे मनचाहे परिणाम नहीं मिल पाते"। कुलपतियों से हर विश्विद्यालय और महाविद्यालय में ड्रेस कोड और प्रार्थना को अनिवार्य करने की अपील की।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले कॉलेज और यूनिवर्सिटियों में नैक ग्रेडिंग को लेकर कोई रुचि नहीं थी। लेकिन आज महामहिम राज्यपाल के प्रयास से ग्रेडिंग के कारण उच्च शिक्षा में काफी सुधार आया है। उनके नेतृत्व और मार्गदर्शन में, आंगनबाड़ी केंद्रों का विकास भी हो रहा है। समारोह में गोयल ग्रुप के चेयरमैन, महेश कुमार अग्रवाल ने लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि संस्थान के 16वें स्थापना दिवस पर अपने पिता स्वः रामजी लाल अग्रवाल की प्रतिमा का अनावरण होना एक गौरव और ऐतिहासिक पल है। उन्होने बताया कि इस साल पूरा शैक्षिक सत्र स्वः रामजी लाल अग्रवाल जन्म शताब्दी समारोह के रूप में मनाया जाएगा। रामजी लाल अग्रवाल का जन्म 31 मार्च 1923 को हुआ था। साथ ही उन्होंने गोयल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की उपलब्धियों के बार में भी बताया। स्वागत भाषण डॉ आलोक जैन, धन्यवाद ज्ञापन महेश कुमार अग्रवाल और कार्यक्रम का संचालन डॉ अनीता सहगल वसुंधरा ने किया।

NEP has included Indian ethos in syllabus: Governor

Governor Anandiben Patel and deputy CM Brajesh Pathak at the event

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Governor Anandiben Patel said that the National Education Policy (NEP) 2020 has made Indian ethos and culture part of the syllabus as the current education system is deprived of values and 'sanskaar'.

She also laid stress on making the education process simple. "Education should be imparted in mother tongue till at least class five as children grasp things better in their mother tongue. Any information given to children in languages other than their mother tongue force them to rote-learning," Patel said while speaking at the 16th Foundation Day function of Goyal group of institutions. "Any desire among children to pass exams by copying is harmful," she said.

Patel asked the teachers to be committed towards their profession and their educational institutions. She said, "Apart from the prescribed teaching time, teachers should also work for the growth of their institution so that they make a mark (in rankings) at national and international levels. Also, teachers should actively participate for better maintenance of their institutes."

Motivating the students to come out of the academic campus and participate in activities and contribute in social work, Patel said, "Real knowledge is gained through social engagements. That's why it is necessary to connect with realistic knowledge alongside the one imparted inside classrooms."

TOI PAGE 5

LU students can now explore foreign shores

University Launches Twinning Degree Programme

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The Lucknow University students will now get more opportunities for international exposure and academic growth.

The university on Tuesday introduced 'twinning degree programme' under which students will get an opportunity to spend some time at a foreign university and get insights into the course they are enrolled to at LU.

According to LU officials, Ramon Llull University, Spain, has already been roped in for the programme and talks with other universities are on.

"The programme is aimed at fostering joint programmes with international universities, promoting mutual exchange of students, and creating multicultural learning environment that enriches educational experience," LU spokesperson Durgesh Srivastava said.

As per the guidelines drafted for the twinning degree programme, credits earned by students at an international institution (with which LU has an MoU) will be counted towards the degree awarded by LU. However, a maximum of 30 credits from the foreign institution will be added.

WINDOW TO THE WORLD

Students from LU pursuing courses at a foreign institution, and vice versa, will acquire credits through conventional mode.

Each institution will issue a transcript with a remark indicating that the student has taken certain modules at the partner institution, wherever applicable.

LU will further ensure that there is no overlapping in course content or curriculum for credits earned by its students from foreign higher educational institution.

According to LU officials, the fee structure for the entire duration of the programme, including courses delivered by the foreign institution, will be made transparent during the admission process to provide affordable and accessible quality higher education to all sections of society.

LU will also provide exit pathways to students who are unable to complete the twinning programme, clearly specifying the acceptance of credits earned in future academic pursuits.

Expressing enthusiasm for academic collaborations, LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai said, "The twinning degree programme will empower our students to gain international exposure, expand their academic horizons, and develop a global perspective. We are dedicated to ensuring quality education and accessible pathways for all our students."